सी.ई.एस.

पर्यावरण अध्ययन में सर्टिफिकेट कार्यक्रम

सी.ई.एस.
सत्रीय कार्य पुस्तिका
(जुलाई 2025–जनवरी 2026)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

प्रिय विधार्थी,

विश्वविद्यालय के नियमानुसार सी.ई.एस. में आपको प्रत्येक पाठय्क्रम के लिए एक–एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्यक्रम (टी.एम.ए.) करना होगा। इस सत्रीय कार्य को करने के पूर्व कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को अवश्य पढ़ें।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में जमा करने की अंतिम तिथि दी गई है।

सभी सत्रीय कार्यों को समय सीमा के अंदर अपने अध्ययन केन्द्र के समन्वयक के पास जमा कराएं। सत्रीय कार्य के प्रथम पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पता, सत्रीय कार्य कोड एवं अध्ययन केन्द्र कोड अवश्य लिखें।

जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें।

सत्रीय कार्यों की फोटो प्रति अपने पास रखें।

अजय माहुरकर
कार्यक्रम समन्वयक
सीईएस

ए.एच.ई.-1: मानव पर्यावरण
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : ए.एच.ई.-1 सत्रीय कार्य जमा कराने की तारीखः 15 अक्तूबर 2025/15 अप्रैल 2026
कुल अंक : 100 सत्रीय कार्य कोडः सी.ई.एस./ए.एच.ई.-1/2025-26

नोटः निम्नलिखित प्रश्न कीजिए। अपने अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य अध्ययन केंद्र के संयोजक को भेजिए।

1. **निम्नलिखित युग्मों में अंतर स्पष्ट कीजिए :** **5x2=10**

   (i) विस्तारित एवं स्थिर आयतचित्र

   (ii) खाद्य श्रृंखला व खाद्य जाल

   (iii) सवाना तथा टुंड्रा

   (iv) औद्योगिक और घरेलू अपशिष्ट

   (v) परजीविता एवं परभक्षण

2. **निम्नलिखित पर संक्षिप्त लेख लिखिए :** **4x5=20**

   (i) भोपाल गैस त्रासदी

   (ii) पृथ्वी के प्रत्येक गोलार्ध हेतु वायु के वैश्विक संचलन को समझाने वाला त्रि-कोशिकीय वायु परिसंरचरण प्रतिमान

   (iii) वायु प्रदूषण का पशुओं पर प्रभाव

   (iv) एक अजैविक संसाधन के रूप में भूमि

3. क) पौध संरक्षण रसायनों के हानिकारक प्रभावों तथा उनके पशुओं व मनुष्यों के स्वास्थ्य पर प्रभाव पर चर्चा कीजिए। 5

   ख) गंधक चक्र का आरेखात्मक निरूपण कीजिए। 5

4. क) पर्यावरण पर शहरीकरण के किन्हीं चार प्रभावों को सूचीबद्ध कीजिए और इनमें से किसी एक को वर्णित कीजिए। 2+2=4

   ख) मल-जल के प्राथमिक व द्वितीयक उपचार में सम्मिलित चरणों का वर्णन कीजिए, जिनसे वह पेयजल हेतु उपयुक्त बन सके। 6

5. क) भूवैज्ञानिक एवं त्वरित अपरदन में अंतर स्पष्ट कीजिए। 2

ख) औद्योगिक अपशिष्टों के प्रसंस्करण तथा पुनर्चक्रण की दो प्रमुख विधियों का वर्णन कीजिए। 6

ग) कार्सिनोमा व लिंफ़ोमा में अंतर स्पष्ट कीजिए। 2

6. क) इस कथन की व्याख्या कीजिए : ''कृषि अवशेष और कृषि औद्योगिक अपशिष्ट वास्तव में अपशिष्ट नहीं हैं। इन सभी का कोई न कोई उपयोग होता है एवं इस दृष्टि से ये संसाधन हैं, जिनके पारंपरिक उपयोग को उन्नत कर, उनकी उपयोगिता का पूर्ण दोहन किया जाना चाहिए।'' 4

ख) भारत में पर्यावरणीय संरक्षण एवं प्रबंधन में ग़ैर-सरकारी संगठनों की भूमिका तथा उनके समक्ष उत्पन्न समस्याओं का वर्णन कीजिए। 4

ग) पर्यावरणीय संरक्षण के दो उद्देश्य बताइए। 2

7. क) मानव जाति के दीर्घकालिक अस्तित्व हेतु नई वैश्विक आर्थिक प्रणाली की अवधारणा पर संक्षिप्त चर्चा कीजिए। 4

ख) भारतीय संसद द्वारा 23 मई, 1986 को पारित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम के बारे में लिखिए। 4

ग) यह कथन, ''शहर प्रदूषित होते हैं, जबकि गाँव नहीं'', एक भ्रांति क्यों है? 2

8. क) चर्चा कीजिए कि भूमि की गुणवत्ता सुधारने हेतु जैविक खेती का उपयोग किस प्रकार किया जा सकता है? 6

ख) स्पष्ट कीजिए कि पूर्व, पश्चिम, मध्य एशिया व दक्षिण–पूर्व एशिया के बीच भारत सांस्कृतिक आदान-प्रदान का केंद्र क्यों बना? 4

9. निम्नलिखित पर संक्षिप्त लेख लिखिए : 5+5=10

(i) संक्रामक रोग

(ii) सौर ऊर्जा